शारदा

उपदेश सूत्र

I [illegible] C-23

II [illegible]

III [illegible]

IV [illegible]

V [illegible]

VI [illegible]

VII [illegible]

शारदा

81 folios

Seven texts

33
५५५



[illegible] ॥श्रीगणेशायनमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆾 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆂 [illegible] 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆼 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆾 𑆤𑆩𑆂 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆾 𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆮𑆼 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶
[illegible] 𑆤𑆩𑆾 [illegible] 𑆤𑆩𑆾 [illegible]
[illegible] 𑆤𑆩𑆾 [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵 [illegible]
[illegible]
([illegible]) [illegible]

[illegible] ०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कालायस नमो नमः कालिकायै
भुभक्षाय भक्ताय नमो नमः नमो
निमाङ्कः भलो हेभिवभङ्के नम :
नमः पङ्कहं भगाङ्गं ढङ्क पः
डाबस भयनाङ्कं विसुवङ्कंव
ङ्कङ्क नमो नमः नमः दउयग
भिङ्ग मदहसु नमो नमः भभुविं
मतिभङ्ग ह नकुड नमो नमः र
मिङ्कः काल हस्तुवडीपनङ्क
शवस भूडिवङ्क पिपहसु विङ्ग
नाय नमो नमः नमो भुकुलना
गङ्कः भगाराङ्क ङ्कावस नमः

मे: ३
१

[illegible] 𑆮𑆱 𑆤
𑆩𑆂 [illegible] 𑆤𑆩𑆾𑆤
𑆩𑆂 [illegible] 𑆤𑆩𑆾 [illegible]
[illegible] 𑆮𑆱 𑆤𑆩𑆾 [illegible]
[illegible]𑆪𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆾 𑆤𑆩𑆂 [illegible]𑆪
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 [illegible]𑆪𑆱 𑆤
[illegible]𑆪 [illegible]
𑆪𑆱 𑆤𑆩𑆾 [illegible] 𑆂 [illegible]
[illegible]𑆪 [illegible]𑆪𑆱 [illegible]
𑆪 [illegible] 𑆤𑆩𑆂 𑆤𑆩𑆾[illegible]
[illegible]
𑆩𑆂 [illegible] 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆶 [illegible]

[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

नमः [illegible]

[illegible] नमः नमः [illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible]

[illegible] नमः

[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible]

श्री 3

[illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमो [illegible]
[illegible]
[illegible] नमो नमः [illegible]
[illegible] नमो नमः नमो [illegible]
[illegible] नमो नमः नमो [illegible]
[illegible] नमो नमः नि
[illegible] नमो [illegible] नमो नमः
[illegible] नमो
नमः नमो [illegible]
[illegible] नमो नमः नमो [illegible]

श्रुं हे भेनमः विनायक श्रमग
हे विघ्नमयतेभेनमः भसणपाय
विसणपायैनैभयतेभेनमः गभः
कुमणचिह्न कुकभसूहापकम स्न
मयेभाभक्षे रम्भुरुगुयम
दीर्घहेवन्लपिल्हे कसूपायत
भनमः ऋगभुप्य नगम्यहू भ
मिहे तेभनमः इयश्रुंसहू भय
उहे। हे वुं [illegible] तेभेनमः श्रीमिहे
सू। तेभनिहे मुमसहे तेभनमः
५ एकदन्तहेलहे मलाल्हे
तेभनमः

स्माहे विश्वस्वहे खल्हस्त्र नमोनमः
नमोवश्वहस्तुसुहे सिन्दुयोगहोस्व
वस सुस्माहे हुतहस्त्र नमः म
चउभवस स्माहे हि नमोहस्त्र उ
पार्श्वहे नमोनमः नमोनभहे स
धूहे भस्त्रिहं स नमोनमः भ
वहेस्त्र स्माहस्त्र भगल्हे नमोनमः
टेकेनपास्त्र सहुस्त्र भसस्त्र नमो
नमः सिल्यसाहृय स्वाय नमो
मु विश्वकमल नभुहे लेकप
लेहः भयुगहे नमोनमः ३

[illegible] नमेनमः
[illegible] नमेनमः
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमेनमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
श्लो: [illegible]
५ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सू॰ 7

[illegible]

वसः पितृकृतो वर्षक
पिण्डसङ्घण्डकपङ्क्तिसततः प
ं वङ्घोपेतास्त्रैवमृत्युमुक
नवम नकमस्पणानुस्त्वमू
श्रुपरिकीर्त्तितः उद्धयानिमित्त ॰
मधश्चैवसुतमानिवसङ्कथ
लियोभिन्नः भवानिततय
भिन्नकीर्त्तयानिमसचनिमत्तु
पेषूवस्तेभिस्तुमाविरहनिल
निले भृहयस्त्वकम्भस्तुवम
वेषु विमस्रतः उद्धयामि ॰

उथउम्नमवैष्ठित्र: विसुम्नवस्नुय
भ्रिउ: उथंनभानिभउउं उथ
यभिभम्नराम रुउम्नमुस्नुभउ
स्नवथस्नुकनलकभके स्नुनि
स्नुनमकस्नुवथकुरवम्नुवभ
के उधयभिस्नउ • मउम्न
घनभानिभनतुरानियभि
उ: उनिविफीउयथस्नुभउउं
उधयभिम्न मम्नेथिनम्नुभ
कुलेविवभुरम्नावउे सुध
स्नुउभम्नेवथायंकुवम्नुघवम

ज्ञो
5

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 • 𑆓𑆕𑇀𑆓𑆳 [illegible] 𑆥𑇀𑆫𑆨𑆸𑆠𑆵
[illegible] 𑆓𑆾𑆢𑆳𑆮𑆫𑆵 [illegible]
[illegible] 𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪 •
[illegible]
[illegible]
[illegible] 𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 •
𑆘𑆩𑇀𑆧𑆷𑆢𑇀𑆮𑆵𑆥𑆂 𑆯𑆳𑆑𑆢𑇀𑆮𑆵𑆥 [illegible]
[illegible] 𑆯𑆳𑆬𑇀𑆩𑆬𑆵𑆢𑇀𑆮𑆵𑆥𑆂 [illegible]
𑆥𑆶𑆰𑇀𑆑𑆫𑆢𑇀𑆮𑆵𑆥 𑆠𑆫𑇀𑆥𑆪𑆳𑆩𑆴 •
𑆩𑆼𑆫𑆶 [illegible]

भस्मले मिडक्त्र स्म्रकैल्भ मैनक
गहु भ्मन: उग्रयणभि · भेभुग्रद
प्रिणभस्त्र त्रपञ्चकसावस पत्रंस
विष्णुणभस्त्रणभडहेठिणीयत उग्रय ·
उग्र यभिमत स्व ७भिद्वभवक्षु
ष भल्डेष मुनिफहू: भूपत्र:
पञ्चमूयाकः चभ्रयउणनस्त्र
धिसनस: किञ्चेरभा: सकिहे
यम्हेयमवेडल्येगिहः पत
न सिव: स्वभ्रूक: भिमुगाकुवान
गा विकृ णसगाणु: भिप्लले

कपालस्त्रयेत्रविघ्नविनायकः ग
णेशं सर्वत्रिकर्तारो बुद्धिसूत्रसभास्थयः
सविघ्नंभक्षमेयस्यं सस्तुपरिपत्ति
नः सेसूत्रवर्तुद्भवस्त्रकूटपूटस्याप
वरूः ॥ ऊँ: मेवघ्रद्धनभ। ऊँः
केसूपवीतं ॥ सत्रकस्तूर्पतं ॥
सत्रि: दधि: पावमानु: पात्रल
तृ: श्रीदितः ऊँभीसहेसहगायभा
सहेगतुभमंवतु विघ्नसूवनकसूपः
मू. वडसदृसनसट्ट: सत्तऊपपर
ल ०. सरः पितसहस्त्रिरेनक्षायभ

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सिवलेलभजन्धुलः भनकेवे
मीञ्जडपः पगसद्धरसेगे
वल्मीकिस्नेववझस्नरुक्तेरे
घसेनकः भनन्नःधिपल
स्नवेस्रःपाप्नुसिधिभुषलो
गक्किंकुधिलःकग्ःजी
तेम्भस्रयःवुभभुःभभ
तस्नवेणयनवल्नयने यङ्क
वल्हे भवस्नेहगुसिधिभगीस
यः दीधसङ्गिघञ्जसिङ्कगनः
केञ्जभनञ्जनः भगभुत्तनलः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

यमेक पितरो यमेनेक यं स्म विस्मयं
उमनभूविस्मर्ं वेकृयति तेऽंतवमः
भ्रुण कि दूं भृत्तं कृथभ्र पिताम
हः श्रुणन्नमसूर्खुतं ३ १ मप्रवत
रतापते मपक्र गृतिमद्र्व : माणी
नः मत्रेपणी मपन्तं मपखमः म
श्रमस्थ जिवंरम : मपमुरभुनः
पित मपमन्नेवनमदति : मपभ
मनुभदः माणीनवेठवज्ञनः १
स्लो. भिभितमदः भुणनमसूर्खुतं ३
नमेव पितोमद्भवे नमेवनपितरे
०८ मुष्मय नमेपितोरमीवन्य नमेव

पितृक्रूराय नमो व पितरो वल्लभाय
नमो नमो वः पितरः शुष्मा वः पितरः
ये पितरः शुष्माः ये पितरः शुष्मा
य युष्मान् अत्र यूयं यथ ठगं भ मस्य
पुं हि ग्रीवक्त्रे युयाम्भ ^ भत: पि
डमक्री भूपितृभगी शुभस पि
तः ^ मात्र्यक्र भुयकेमित्र
मत्र पितृपक्ष गुरुः सम्भूवत्त
तं येत्र्ल्लिशुभमकूवः यभूतठ
वभापव: येमत्र मफुवलित:
ल्लरूलनतेभव ल्ठत्तं पितृ
भक्तिरू ^ लैभिनि: गल्लवेगा

𑆲𑆸𑆢𑆪𑆬𑆼𑆓𑆾𑆠𑇀𑆠𑆩𑆱𑆶𑆒 𑆱𑆑𑆬𑆶𑆂𑆱𑆼
𑆤𑆑𑆱𑇀𑆩𑆽𑆮𑆱𑆴𑆫𑆼𑆬𑆼𑆤𑆮𑆱𑆶𑆒
𑆱𑆩𑆠𑇀𑆠𑆶𑆬𑆼𑆱𑆴𑆤𑆴𑆱𑇀𑆩𑆽𑆮𑆮𑆼𑆱𑆩𑆢𑆪𑆤
𑆩𑆮𑆱 𑆥𑆼𑆬𑆱𑆠𑇀𑆫𑆾𑆱𑆶𑆒𑆳𑆟𑆥𑆱𑆸𑆥𑇀𑆟
𑆠𑆁𑆟𑆓𑆠𑆂𑆱𑆟 𑆱𑆝𑆟𑆓𑆠𑆟𑆱𑇀𑆩
𑆱𑇀𑆩𑆠𑆱𑆝𑆱𑆸𑆥𑆸𑆠𑆁𑆱𑆟 𑆑𑆼𑆑𑆴
𑆬𑆂𑆑𑆼𑆱𑆴𑆑𑆱𑇀𑆩𑆽𑆮 𑆮𑆲𑆸𑆢𑆼𑆱𑆑𑇀𑆫𑆶
𑆑𑆱𑆶𑆒 𑆓𑆓𑆸𑆥𑆼𑆫𑆂𑆥𑆮𑆵𑆪𑆱𑇀𑆩𑆸𑆢
𑆥𑆸𑆠𑆁 𑆱𑆸𑆠𑆴𑆮𑆱𑆑𑆂 𑆱𑆬𑆟𑆱𑆼𑆫𑆵
𑆯𑇀𑆬𑆾. 𑆱𑆱𑆟𑆢𑆸𑆥𑆸𑆠𑆁𑆱𑆠𑆱𑆱𑆶𑆤𑆂 𑇆
𑆝𑆢𑆢𑇀𑆪𑆪𑆳𑆩𑆵𑆠𑆴𑆑𑆼𑆱𑆵𑆠𑆁𑆪𑆲𑆼
𑇐𑇕 𑆩𑆮𑆱 𑆢𑇀𑆪𑆪𑆳𑆱𑆸𑆱𑆝𑆪𑆲𑆼𑆱𑆮𑆪

हुं ऊर्ध्वाय नमः (अधोमुखाय नमः ऊर्ध्व
मुखाय नमः हुं ऊर्ध्वाय नमः) अ
घोराय नमः ऊर्ध्वाय मुखऊर्ध्वाय मुखस्वाहा
नमः नमः स्वाहा नमः मुण्डाय ऊर्ध्वाय
मुखरूपाय नमः नमो रूपाय नमः मु
ण्डमालिने ऊर्ध्वाय नमः नमोऽस्तु
ते नमः सर्वऊर्ध्वाय श्रीत्रिमुण्ड
धरायकेशेन १ स ॥
नमः ॥ बहुरूपाय नमः २ ॐ
वज्राय मुण्डाय नमः नाराचाय
चक्रिणः पिनाकिने तथा नमः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

कैलासवासिने यमाय शिवप्रीत
तद्धराः ॐ श्रीं · ह्रीं वागीश्वरीसौ
व पुत्रवस्त्रकोपेण नः मृगाङ्कीकस्त्र
मिथुस्त्र भूतसंहारिकामः नमो हं
त्रिमाय · ॐ ह्रूं · भमराय निवृत
त्रे करिंक्रीं ह्म यि नमो ह्रीं श्रीं ·
नागलोकगताय सिद्धप्रीतैम
यतः ह्रीं श्रीं · ॐ क्रूं सौ ऽमिनि
वः सर्वाभूतः सनभोः रः
तेनाभूतनमान क्रूं वतः भूः
सरूः ह्रीं श्रीं: मित मितमक

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

उद्याभिसन्ते । उदया उदयास्मृव
येमन्ते पेड्डणीनः स्वधायिभि ।
येमन्तु लोभन्लोके नरकेवाव
मत्रिये नवीहृत्रनऽयेमकुम्भ
पाकन्तेपितरः स्वधया । मे
वमृपन्तेकृऽयेमऽत्रैवपितरः
कल्पन्ते मत्रन्ति सभिभ्रव
नेपितरः स्वधिभ्यः । कृसत्वय
प्रविष्टुप्र कल्पन्ते तव नमः
मत्रवायऽत्र यत्तनभुमय
पितरः स्वधिभ्यः । यमाय
गल्यमन्त्रवैमात्तकयम वैवम
पु॰
९५

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] नमः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमस्तव: भ्रुकिउम्रत्तूलिमङ्ड्यहू
इभमवंमाऽ: रह्लं मवक्लत्लि
उयमऽज्जनमंस्तव: म्रमस्मृत्रे
लियमयेम्रमूत्तूलमस्तव: मृह
त्तुलिभऽत्लेवत्त्वे भज्ञल्लेषुव
यभित्तनैम धिठे ननमुवि
न: मये येधंगऽडिमयक्रुत्त
येधंऊज्रधूडं उषा भइरुणवि
गीनस्र नरकव वभत्रियेडहू
स्तो. घवेह: धिहूह: उरमसुडिल
११ मकमा घभिक्रिनेमडभल्ल
यन्मयभमपण्लिउ भलीयंमव

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

सनमंभुनं शक्तेर्मूलपलत्रयं
उेपअनुरागुरूपय (उरमनु ·
उमतः भृगिपत्रपञ्च गुरुसमपवृष्टि
कूमाग उेखअनुरागुरूपय नर
गुं नरकान्तक वग ब्रह्म विष्णु
स्न गङ्गस्नै स्नुरम्न भक्त सिवः प
त्रिकाल मंयेगात्रत गुं मुतेय
गुभा गेवृफल कडनंबश उष
स्लो: बिष्णुमयपतिनं महेशंपति
१० उनंस (उरमनु · मगविधुम
समेमनं मनमनुः परिपक्ति:

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सत्तुत्लेसमः पसवेयसूसान्नेसेव
यससाध्ययति ॥ तेतप्तूर्णोसहः
गन्धैर्नमः ३ दृष्टपधूपयसि॰ ३ घ
दीपयविद्धूर्ते॰ ३ नैवेद्यवतां न
मस्कारमेवस्त् व॰ विष्णुमुपसन्नस
मु नन्दाय: सुनन्दाय: सुघोषाय:
सुशीलाय: सखीवरकसण्ड:
उद्दिनेव॰ पितु: व॰ मातु: पर्लेके
वैष्णलीनस्ती सापसत्त्वणुत्रं न
प्रस्नं व॰ विष्णु: प्रस्नं गीतप
स्नवमन्त्रस्य पूर्वं गीर्णुं तत्कूपस्य ॥
यथाविकीट प्रवसान्सवं न
यसान्नसरस्य व॰ विष्णुवे॰ नन्दाय
सुशील्य॰ तेप्रस्न॰ नन्दं सानुस
ं व॰ विष्णुसा॰ नन्दं सुनन्दं सुघोषं

गो॰
ह्र॰
९३

सेवी भगवती लोकमातरमा प्रसंडि
रुवनसेवी गन्धर्वैः यक्षकिन्नरैः सुर
उरगविश्वी सेवी सर्वयज्ञ प्रवर्ति
नी सेवितं सर्वदेवानां [illegible] नीम
चकासम(?) सर्व[illegible] सत्कृ
य[illegible] मुनि[illegible] सेवितं पाप
[illegible] सेवितं सर्वलोकमनी सेवि
तं [illegible]लोके सेवितं सर्वश्री

यवाभिषिञ्च ॥ मन्त्रोक्ती: [illegible]
[illegible] यम॰ विष्णुर्विम॰ [illegible] प
[illegible] नमः [illegible] मन्त्रोक्ती: [illegible]
[illegible] व॰ विष्णु: म॰ [illegible] विष्णु॰ [illegible]
य॰ व॰ विष्णुवे॰ [illegible]
[illegible] नमः [illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] । [illegible] नमः [illegible]
[illegible] चरूयनमः [illegible] चरूयनमः
[illegible] चरूयनमः कृतयुगाय त्रे
तायुगाय द्वापरयुगाय कलियुगा
य [illegible] [illegible] [illegible]
ना॰ [illegible] [illegible] [illegible]
मा॰ [illegible] [illegible] [illegible]
७५ [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ङ नमः श्रुतिगीताय नमः नमः
सर्वज्ञाय विमलाय नमोऽनन्ताय श्रुति
स्मृति नमोऽनन्तमूर्तये ॥ ततस्तु
तोषं गतो देवाधिपः पितामहः [illegible]
[illegible] पञ्चवक्त्रः पयोजाक्षतिल
कः ब्रह्मविष्णुमहेशरुद्र
[illegible] भगवान्
[illegible] देवाः
[illegible] लोकपालाः
[illegible]
गौ. [illegible] भगवान् [illegible]
स. [illegible]
३१ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

तं ब्रह्मभूर्ब्रह्मा विष्णुः रुद्रः पशु-
पतिः शिवः स्कन्दोऽपि वरुणः [illegible]
यः ऐरावतः [illegible] गरुडः
[illegible] अंकुशः [illegible]
शिवः [illegible] [illegible] नागः
[illegible] पर्वतः [illegible] [illegible]
यक्षः किन्नरोऽपि पिशाचः [illegible]
[illegible] [illegible] वनस्पतयः [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] विष्णु-
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
कः वैवस्वतः कालः [illegible]
ग. [illegible] नीलः [illegible] [illegible]
रु. [illegible]
१७ [illegible] [illegible] सिद्धः सिद्ध[illegible]ः ^

श्रथयन्त्र चिन्तक ० केलेगा मिन्त्रदु
यन्त्र पति मिथु उप ला पयुंद्रा प्रे
श्रम: पत्रि भूरू पति: मैमेके मु
ऊ मिन्ह वज्मदति: मथ पुड्डा नि
पुन्नडुर लि मैम्रेवउनि मनकाइ
लि मगूनरनि मैजड्इ लि मगूरु ङ
नि उपूयनमि वग्रंमउपयमि ९
पिउंवेद्मणडग: भविउडड्रु वा
य विन्नूथ्री उड्डुउनि मक्किलन्द्रुर
लि मैम्रेवउनि मनकाइ लि मगू
नलि मैजरड्इ लि ममक्रुउनि
मड्इस्नूउड्रूयमि ९ मिड्इ उंन्नु निद्र
ति भुय भुपविस्त्रमेव: मुन्नविथ्रु
गिडुउनि पम्निमन्नुनलि म्रेवउ

ति मन्त्रस्तुति मन्त्रजपनि मन्त्रकल्पः
नि मन्त्रजपनि मन्त्रसम्पुटं तर्पयामि ।
रुद्रसहस्रं तर्पयामि पुरुषपतिं रुद्र
पार्षदं भूतपतिं पशुपतिं गणपतिं
रुद्रपार्षदान् रुद्रपार्षदीश्च रुद्र
पुरुषं भवः पुरुषं शर्वः पुरुषं रुद्रः
रुद्रः भवः शर्वः उग्रः भीमः ईशानः
तत्पुः महान् भवं देवं शर्वं देवं
ईशानं देवं पशुपतिं देवं रुद्रं देवं
उग्रं देवं भीमं देवं महादेवं भवस्य
पत्नी शर्वस्य पत्नी ईशानस्य
देवस्य · ईशानस्य देवस्य · पशुपतेर्देव ·
रुद्रस्य देवस्य · उग्रस्य · भीमस्य · ।
रुद्रपार्षदांस्तर्पयामि रुद्रपार्षदीः
सर्वं मन्त्रभागं पवित्रं विसर्जय ॥

पं. ६३.

ਤ੍ਯਪੰਜਰਸ੍ਯਾ ਬ੍ਰਹ੍ਮਪੰਜਰਸ਼ੀ: ਵਿਸ਼੍ਣਾ
ਵੀਰਸ੍ਯਾ ਕਾਲੰ ਵੀਰਮਤ੍ਤੁੰ ਨਭਿਆਯੰ
ਵਿਪ੍ਰਪੰਜਰਸ੍ਯਾ ਵਿਪ੍ਰਪੰਜਰਸ਼ੀ:
ਵਿਸ਼੍ਣੁੰ ਨਾਗਾਯ ॐ ਸ਼੍ਰੀਯੰਸ਼ਵੀ ਮਹਾਸ਼੍ਰੁਤੀ
ਪੀਸ਼੍ਠੁੰ ਵਿਸ਼੍ਣੁਪੰਜਰਸ੍ਯਾ ਵਿਸ਼੍ਣੁਪੰਜਰਸ਼ੀ:
ਯਮੰ ਚਕ੍ਰਾਗਾਂ ਮਹੰ ਧਤ੍ਤ੍ਰਕੰ ਵੈਵਸ੍ਵ
ਤੁੰ ਕਾਲੰ ਮਵਧੂਲਾਂ ਨਾਂ ਖਾਂਨਸ਼੍ਵੁੰ
ਨੀਲੰ ਵਜ੍ਰੰ ਪਾਸ਼ੰ ਖ੍ਰਿਨੰ ਤਕੇਸ਼ੰ
ਠੀਮੰ ਸਿਤ੍ਤ੍ਰੁਗੁਤ੍ਤੁੰ ਪਾਸ਼ ਨਸ੍ਤੁੰ ਤਤ੍ਤ੍ਵੰ
ਖ੍ਤ੍ਰਾ ਚਿਪਤਿੰ ਤਗੁਮਾਯੰ ਚਾਤ੍ਤ੍ਰਾਰੰ
ਚਾਤ੍ਤ੍ਰਾਰਿਪੰਜਰਸ੍ਯਾ ਚਾਤ੍ਤ੍ਰਾਰਿਯ
ਸ਼ਸ਼ੀ: ਵਿਸ਼੍ਣੁੰ ਮਾਨਸ਼ਵੰਗੀ ਗੋਕਥ੍ਰਿੰ
ਭੁਤਵਨੀਯੰ ਸ਼ਕਿਤ੍ਰਿੰ ਗਾਨਸ਼ਸ਼ਤਿੰ
ਘਖਨਰਕ: ਸ਼੍ਰਸਵੰ ਧਮਿਯਤ੍ਤੁੰ ਤਸ਼੍ਰੀ
ਪਾਕੰ ਧਵੀਂਸਿੰ ਸੁਤ੍ਰਾਗਾਂ ਸਮੇਕੌਸ਼ੰ

[illegible] नमः [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] नमः | [illegible]
[illegible] नमः | [illegible] नमः | [illegible]
[illegible] नमः | [illegible] नमः | [illegible] नमः |
निर्मलाय नमः | [illegible] श्रीयं स
[illegible] श्रीयं [illegible] श्रीयं [illegible] श्रीयं स
[illegible] श्रीयं [illegible] श्री
यं [illegible]
[illegible] ः || [illegible]
[illegible]
[illegible]
८. [illegible]
९. [illegible]
१०. [illegible]

तपोलोकं सत्यलोकं सूर्यमण्डलं चन्द्र
अग्निमण्डलं नक्षत्रं ध्रुवकेतुं कै
लासकूटं मन्दरपर्वतं मैनाकपर्वतं
महेन्द्रपर्वतं त्रिकूटं गन्धमादनं मैना
कपर्वतं) विन्ध्यपर्वतं मलयपर्वतं
कृतयुगं त्रेतायुगं द्वापरयुगं कलि
युगं चन्द्रसाधुं ब्रह्मपुराणं पद्म
पुराणं विष्णुपुराणं शिवपुराणं
भागवतपुराणं नारदीयपुराणं मा
र्कण्डेयपुराणं अग्निपुराणं भविष्य
पुराणं ब्रह्मवैवर्तपुराणं वायुपु
राणं वराहपुराणं स्कन्दपुराणं
वामनपुराणं कूर्मपुराणं मत्स्य
पुराणं गरुडपुराणं सोमग्रहं र
कलशं चक्रनाभं अरण्यं वकुलं वायुं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

तुनगराजं वज्रवाहिं कालिकायुगं
ब्रह्मी माहेश्वरी कौमारी वैष्णवी व
राही नारसिंही ऐन्द्री ईशानी दुर्गां
गायत्री सावित्री सरस्वती गृहणा
लोकपालानां नागानां सागरानां
पर्वतानां यक्षानां राक्षसानां वेत
लानां किन्नरानां पिशाचानां भूत
लानां गुह्यकानां कूष्माण्डानां अप्सु
धृनां म्लेच्छानां कुमारानां पि
सरानां वायुगणानां ऋतूनां विश्व
कर्मणां वसूनां रुद्राणां प्रतिष्ठानां
मातृणां वीराणां उच्छिष्टभूतानां
त्रिपुरं युद्धचरं सप्तचरं पिशाचरं
पिशाच क्रियं नक्षत्राणि नक्षत्रा
नि यक्षानां गणेशप्रमुखवतः प्रभु
यानां

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
33 [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीनत्सुसम्भत्तव: ण्डसन्तुमूल्लीकर:
पङ्क्तिसम्भनयसूत्रे उभवित्वाधुभन्य
त्तुगोपस्थेरुकतुन्दगुडा ॥ सनक:
तृ० १ सनन्दन: तृ० १ सनातन: तृ० १ क
पिल: तृ० १ आसुरि: तृ० १ वोढु: तृ० १
पाञ्चशिख: तृ० १ मरीचि: तृ० १ अ
त्रि: तृ० १ अङ्गिरा: तृ० १ पुलह: तृ० १
पुलस्त्य: तृ० १ क्रतु: तृ० १ प्रचेता:
तृ० १ भृगु: तृ० १ वसिष्ठ: तृ० १ ना
रद: तृ० १ ॥ दधीचिप्रभृतयोऽपि
पद्मस्थाना सर्वस्थाना पूर्वस्थाना
उपस्थाना मध्यस्थाना भक्ष्यस्थाना ग
गो तुच्छस्थाना मैत्रस्थाना पिशाचस्थाना
तृ० सिद्धस्थाना मातृस्थाना विष्णुस्थाना
३८

[illegible]हीना। [illegible]हीना। [illegible]हीना। न
[illegible]हीना। [illegible]हीना। [illegible]हीना। [illegible]
[illegible]हीना। [illegible]हीना।
[illegible]हीना। [illegible]हीना। [illegible]
[illegible]: [illegible]। [illegible]
[illegible]: [illegible]
[illegible]
[illegible] सनकं सनन्दनं सनातनं
सनत्कुमारं कपिलं [illegible] वोढुं प
ञ्चशिखं [illegible] [illegible] वसिष्ठं
[illegible] [illegible] कश्यपं गौतमं ध्रु
वं [illegible] विष्णुं पराशरं पाराश
र्यं वाल्मीकिं [illegible] मार्कण्डेयं शा
नकं [illegible] कपिलं [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] याज्ञवल्क्यं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

तुभ्यं यस्य [illegible] तस्मै ·
[illegible] यस्य [illegible]
[illegible] तस्मै · [illegible]
[illegible] यस्य [illegible]
[illegible]
[illegible] तस्मै ·
[illegible] यस्य [illegible]
[illegible] तस्मै · [illegible]
[illegible] तस्मै · [illegible]
[illegible]
तस्मै · [illegible]
[illegible] तस्मै · [illegible]
[illegible]
तस्मै · ॥ [illegible] ३

सोमः ब्रह्मणः तृ॰ यमः॰ सदसः॰ स्वप्रिस्
तुः॰ सोमपः॰ गन्धर्वाः॰ कविपुत्रः॰
सुकालिनः॰ श्रुद्धः॰ वसवः॰ रु
द्राः॰ अग्निरुद्रः ब्रह्मणः तृ॰ ॥ अग्रजे
भूनि वैशम्पायन पैल सुमन्तु जै
मिनि शतरुद्र एकर्षि ब्राह्मणान्नम
स्तर्पयामि । एवं किं ठडविगान्
गालव गौतम शौनक शाण्डिल्य
ठक्कुर सुमन्तु सौकय ब्राह्मणान्नमः॰ त
र्पयामि गायत्रीं ब्राह्मणीं नमस्तर्पयामि
वेदमातृं ब्राह्मणीं नमस्तर्पयामि
श्रीलक्ष्मीं सौत्रीं ब्राह्मणीं नमस्तर्पयामि
कण्ठेर्षयः॰ कौसेतकं सडकौ
सेतकं तैत्तिरीयं सौत्तिरीयं गर्हि
सडगान्तं वाष्कलं एतवज्रीं ति

ठो॰
स॰
३

गवाजिनं ओं [illegible] सनकं सनकौ
[illegible] ऊर्ध्ववक्त्रेभ्यः एकवक्त्रेभ्यः ऊर्ध्व
[illegible] पितृभ्यः पितामहेभ्यः प्रपि
तामहेभ्यः मातृभ्यः पितामहीभ्यः प्र
पितामहीभ्यः मातामहेभ्यः प्रमाता
महेभ्यः वृद्धप्रमातामहेभ्यः माता
महीभ्यः प्रमातामहीभ्यः वृद्धप्रमाता
महीभ्यः गुरुं गुरुपत्नीभ्यः आचार्य
आचार्यपत्नीभ्यः सखिभ्यः सखिप
त्नीः बन्धुभ्यः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

शुभाणपितरः मेमृमः पुमेरंयु र
ठ कर्तन्नः तेवेवत्रुपितरे स्वविभू
यममृतिभुपा प्रज्ञिरमेनः पितर
ववर्गुं पृचले हृत्युवः मेमृमः
उमींवयं भुमेते यह्लु यन्न मपिठ
हु मेमनमु मृ मघयत्तुनः पित
रः मेमृ मेचप्रिमु त्तुः पक्षिठि
स्ववयनेर भिन्हल्लु क्षणयभमत्रु
पिडवत्तुतवहुभ्न ।। स्वधा नमः
स्वधा नमः ।। चक्रुतवत पितः
क्षणनमभृधृतं ३ कुलंवकत्री :
पितृहः क्षणयहः क्षणनमभृ
धृतं ३ पितभहुहः भूपित
31 भकः यमक्क पितो यमनकय
मृविस्म यतमभुविस्म हुंवकौं

[illegible] 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 [illegible]
[illegible] 𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑇅 𑇓 𑆃𑆱𑇀𑆩𑆠𑇀
[illegible] 𑇅 𑆥𑇀𑆫𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆂 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑇅 𑇓 [illegible]
𑆩𑆼𑆮 𑆥𑆴𑆠𑆸𑆨𑇀𑆪𑆾 𑆩𑆲𑆢𑇀𑆨𑇀𑆪𑆾 𑇅 𑆩𑆳𑆠𑆸 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑇅
𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆵 𑆥𑇀𑆫𑆥𑆴𑆠𑆳𑆩𑆲𑆵 𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩
𑆲𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩𑆲𑆂 𑆮𑆸𑆢𑇀𑆣𑆥𑇀𑆫𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩𑆲𑆂
𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩𑆲𑆵 𑆥𑇀𑆫𑆩𑆳𑆠𑆳𑆩𑆲𑆵 𑆮𑆸𑆢𑇀𑆣𑆥𑇀𑆫𑆩
𑆠𑆳𑆩𑆲𑆵 𑆱𑇀𑆮𑆣𑆳 𑇅 𑆃𑆱𑇀𑆩𑆠𑇀𑆥𑆴𑆠𑆫𑆂 𑆩𑆳
[illegible]
[illegible]
𑆩𑆼𑆤 𑇆 [illegible] 𑇆 [illegible]
[illegible] 𑇅 𑇆 𑆑𑆸𑆠𑆾𑆥𑆮𑆵𑆠𑆵 𑇆
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
35 [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः ॥ ततः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] लक्ष्मी [illegible]
[illegible]
[illegible] लक्ष्मी
लक्ष्मी [illegible] लक्ष्मी [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भिमरुमङ्ग मन्नायन्यसुरुन्यम
ठञ्छञ्जभ्रु मयान्लक्ष्मीः ममहूत्तुः
भ्रुउन्मय मच्चुमकू ग्रिफकु ग्रु
मणनःवगरु भुमे ॥ मउन्मरु
उंपन्यं वन्हमयः कन्यकम न्म
उञ्जचंभुसमंयन्उ ठत्रगरुन्वभुठ
वेउः । डुंणत्रममरुन्मप्र ठत्रिंम
त्रिंमकत्रिनः प्रुउमेव ठियत्र
श्रु भुमन्फुत्रे फमचरु ॥ नगेष्ठ
उलुंणनभिभुकिनिष्ठुम्भ हत्रि व
हत्रि डगत्रिपन्यं टू ग्रु नित्रक्र प
मउंमवत्रि विपुभुरुउं त्रुन्लवनु
ने· गत्रि ॥ गुफुन्नंत्रेव· नभेवुफुन्न ॥
म उत्रीपनरुफ्रिकले मङ्गुपठउ गं
१०· ह्रीं क्लीं श्रीं जरुष न्मरुभुमन्फत्रः

गायत्र्यै नमः ३ ॐ भवानि विद्महे
वैश्वदेव्यै धीमहि तन्नो देवी प्रचोद
यात् ३ ... विद्महे ...
... धीमहि तन्नः ... प्रचोदयात् ३
... विद्महे ... धीमहि
तन्नः ... प्रचो० ३ ...
पितृ : व मातृ : ...
...
...
...
...
८ ... ॥ ...
९ ... नमः । ...
१० ... नमः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ह्मिस्राय भक्ष्मीरुमाय तस्फ
य स्नान्तनाय मत्तकरुय मक्ति
है रभाय लक्ष्मी डंभवाजाय
मत्तरान्नाय कभल्लभनाय गा
यहे भाविहे परभहे त्रिष वरू
सहै डंभव जिहे पाखु मेहेए
उगकेहे कडुय कडुरूवउन्हे
भधु धुकन्मेहे उभुकामुन्हे
उच गास्किउ भत्तगिम्राय सहे
द्वुरूम निहे मत्तुरूमभुरूप
त्रिहे मत्तुरूमसुवन्हे मत्तुरूमभ
रत्तरेहे मत्तरूमगुरुरूवउन्हे
रमवाय्यवहे रमाभिरू रूमवि
षहे रूवउन्हे रमाभिरमहे
रमलेकपालिहे भधुविंमाति

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

नय पक्षिराजाय यमाय भुजगभूषणाय
मंत्ररूपाय कालरूपाय वज्रमुखाय
पञ्चमहाय हुंभाय सर्वलिपि
रूपाय सर्वाय गौरभाय सर्वरूप
य सर्वसिद्धि नमः हृदिकह: शि
शिरसे भगवते शिखाय कवच
भव त्रिनेत्राय पशुपत्ये अस्त्राये
प्रचण्ड ज्वाल [illegible] ज्वाल [illegible]
य सिद्धय भूतं विमर्दे [illegible]
फट्: हुं भूतये [illegible] प्रचण्ड
फट्: उड्डाय फट्: भूतेशाय
त्रिभुवनाये सर्वशिवाय प्रचण्ड:
भूतपतये फट्: उड्डाय फट्: भूतपत
ह: स्वाहा भूर्लोकाय भुवः लोक
य स्वर्लोकाय महः लोकाय जनः

लोकाय तपःलोकाय सत्यलोकाय
पातालिकाय तलाय सुतलाय रसा
तलाय महातलाय पातालाय त्रि
दशाय गवये गरुडाय नमवे सवित्रे
निलकण्ठाय चण्डाय उग्राय ठ
क्कुराय अहराय रुद्राय सन्ध्याय अ
दयाय विवस्वते पङ्काय त्रिनेत्राय
सवित्रे सहस्रकिरणाय पुष्पमित्रा
य नमवे दर्शिमूषाय अंशाय स
उत्काय विश्वमित्राय सप्तमूम
गाण्डाय उग्रमहत्वे कश्यपाय
मनवे पद्मये विष्णवे दर्शिताय
ब्रह्माय गोत्रमाय सत्तत्रयपरा
० यणाय गुणसाराय समस्ताय
० क्षणाय दैवाय नगाय कृष्णाय
८८

𑆉𑆑𑆳𑆫𑆱𑇀𑆪 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆲𑆱𑇀𑆪 𑆠𑆤𑆳𑆩𑆪𑆱𑇀𑆪 𑆥𑆳
𑆱𑆶 𑆫𑆴𑆱𑆶𑆬𑆴𑆲𑆼 𑆇𑆥𑆑𑆳𑆩𑇀𑆫𑆼𑆤𑆲𑆼 𑆮𑆴𑆥𑇀𑆫𑆷
𑆱𑆴𑆮𑆳𑆪 𑆧𑆶𑆣𑇀𑆩𑆼𑆬 𑆑𑆲𑇀𑆪𑆪𑆥𑆑𑆩𑆑𑆬
𑆮𑆴𑆥𑆶𑆱𑆳𑆪 𑆥𑆸𑆢𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆷𑆫𑇀𑆰𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆥𑇀𑆫
𑆥𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆯𑆵𑆫𑇀𑆰𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆮𑆳𑆩𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆥𑆢𑇀𑆫
𑆑𑆤𑇅 𑆥𑆢𑆁𑆤𑆩 𑇑 𑆩𑆼𑆢𑆼𑆱𑆮𑆵 𑆥𑆢𑇀𑆫𑆷
𑆪 𑆑𑆲𑇀𑆪 𑆖𑆼𑆥𑆼𑇅 𑆨𑆢𑇀𑆫𑆂 𑆩𑆼𑆢𑆼𑆱𑆮𑆵𑆂
𑆑𑆴𑆩𑇀𑆠𑆼 𑇅 𑇄𑆂 𑆮𑆤𑆩𑆢𑆥𑆶𑆪 𑆥𑆑
𑆨𑆮𑆮𑆢𑆳 𑆥𑆷𑆝𑆴𑆥𑆤𑇀𑆪𑆪𑆢𑆳 𑆩𑆤𑆮𑆴𑆢𑆷
𑆬𑆴 𑆥𑆩𑇀𑆫𑆢𑆮𑆢𑆳 𑆥𑆢𑇀𑆩𑆼𑆤𑆼𑆮𑆳𑆱𑇀𑆩𑆤𑆂 𑆥𑆴
𑆇𑆂 𑆮 𑆩𑆇𑆂 𑆱𑇀𑆩𑆷𑆥𑆫𑆾𑆑𑆼 𑆓𑆤𑇀𑆠𑆳
𑆯𑇀𑆫𑆷 𑆥𑆤𑆁𑆱𑇀𑆑𑆼𑆫𑆩 𑆥𑆝𑆴𑆮𑆑𑆢
𑆥𑆤𑆴𑆮𑆳𑆩𑆢𑆁 𑆮𑆤𑆩𑆷𑆢𑆁 𑆥𑆑𑇀𑆬𑆼
𑆑𑆼 𑆥𑆷𑆬𑆮𑆱𑇀𑆢𑆁 𑆥𑆫𑆾𑆑𑆼 𑆪𑆩𑆩𑆳
𑆤 𑆥𑆴𑆫 𑆩𑆑𑆳𑆩𑆮 𑆩𑆢𑇀𑆪𑆪 𑆤𑆴𑆮𑆳

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] पीठमा [illegible]
[illegible] मकरम
नमः नीलवर्णः ~ उग्रतमेन
[illegible]
[illegible]
[illegible] मकरमनमः [illegible]
[illegible] नमः नील
[illegible]
[illegible]
[illegible] मकरमनमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
९१ [illegible]

केमवाय वरुणाय क्रुमय मका
य मद्गुय मधुकृय मिसुभगा
य ठकाय क्रुलीराय ललभ
लिहः नेवकय पाहु ~ धनः स
तेस्रुपः क्रीं ~ ललमयिना ठ
विसेक मैलेक्रुः वल लि
केमव क्रुम मका मद्गु मधुक
मिसमभ ठका क्रुलीं लल
भूलिना नैवकी ॐ वैदु ·
सवं ललमायिने ~ गडुरु
भयाहि ॐः कैकुयं भुयं ~
प्रचे वयकय पूभूय उत्तरम
हूय नमः कुक्कुय दूष्णय नमः
पश्चिमे पमेकयनमः वरा
य मकनाय लक्ष्मि लववृणाय

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नं. ९८

बुद्धाय, पञ्चसिद्धि सप्ताय उमान्ये सि
वाय भद्राय वामनाय लवकु
य गोविन्दाय मधुसूदनाय हयग्रीव
भैमाय श्रिये कृष्णाय मकराय
मत्स्याय मधुकाय सिद्धभगाय
नृसिंहाय कौलीनाय वामकाय
कुलिकाय मध्यपालाय उग्र
काय कोकिलाय धर्मराय पद्म
य भद्रपद्माय यज्ञनाय उग्र
य मत्स्यनाय उग्रयवक्त्रभाय ~ १००
सप्तसिद्ध: ~ सप्तसिंह:
सप्तविंशतिनक्षत्र: नेकय
सप्तनम: भुवननम: एवं सी
सूत्रं उत्तेनेकं प्रतिपालयतु
सप्तऋषयवता भौविद्या सि ब्रह्मा:

[illegible]
[illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]
नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
नमः [illegible] नमः
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] नमः ।
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ओं [illegible] नमः सकलदेवता म
ङ्गलमूर्तये नमः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
प्रथमीयमकुल: । प्रथम[illegible]।
सकलदेवता [illegible]:
प्रथ: [illegible] । [illegible]: ३ ॥
पञ्चम्यादि· [illegible] · [illegible]
[illegible]: [illegible]· ३ । सकलदेवता।
मङ्गलमूर्ति · विनायक[illegible]:
[illegible] नवग्रहादीनां [illegible]
[illegible] [illegible]

पाद्मयतनेस्वितनं वृद्धलः दृश्च
श्च मन्तुमरश्च पक्षिहः मरः स्ने
स्मृतुः ८ उरुन्म सञ्चश्च शुद्धेन॰
नमकरामी मजयेन निवनशुजं
यशेजुल्लभन्शुजं मरुलनि
मितं क्रुमजेमेस्वितमेत्रुयनं
कल्मष॰ मत्रमजं॰ जिलमन
प॰ मजगालपत॰ पुरहीः पुरुमा
मनेनमः मजगालपउय॰ मनं इं
पुरू॰ मजगालपीतं क्रुमनं॰
विनायकं रक्तं मरू मञ्चकं वृ
द्धलं दृश्चं वश्चस्वं पद्मयतन
स्वितः वृद्धलं मत्तुमा पक्षिहुः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ॐ अथसमथप्रास्नानविधिः ॥ वाम्बेस्नवाय

सुमे पुण्डमपुण्लभलिाप्त ॥ अपवित्र

लः : स्नमल्लेकुपालभमुलं स्नाप्त

वैस्नमनुयुयं भंसुप्त ॥ उद्धरुमपाक

क्षिवधडुविष्णुरुवता ॥ पापयनमः

उपिष्ठ्यः : गधमकेग ८ वनमद्गिषिः

पृथिवी मेरुपृष्ठ उकोस्नमीपरिप

ढ्रंनः पवम्कुर्वी गेस्नमी श्रिकषप

नेपडेवस्नल्डम्नुमाय ० डीकलम

उडः ऽडम्नुमीनंमुः मुः रम डम्नुय

वड उदीष्ठ वैस्नमडुमुयेभूस्नं तिम्नू

प्रिंडवता ॥ डेवयम्लभम्लमानीय ~

पुनर्के भवंहामंकुल्ला ~ डीक्रम

यं प्रुपमीपेमङ्कल्तु ॥ ~ ममक्षु

पिहुहः प्रुपेमीयंनमः ~ मंत्रः ॥०

प्रतिमायांतत्स्मं तत्रैव विष्णुगायत्री ~
पुष्पवाहनं समर्पयेत्तत्रैव ~ पुष्पवाहनमु-
द्रं ततः कर्मे पुष्पवाहनं ~ गिरिजाल
पुष्पवाहनं ~ गोहिलिमचमा उद्दीप-
द्रं उद्धूपवत उद्दीपि ~ पाशुपि
तस्मिश्रुत्रं तत्रैव ~ कुमकुरं केशय
घाविमुखं कुरुत प्रत्यन्तं तत्रैव ~
ततस्मयुगानं ~ पक्षु कुमवृद्धलम
भूमौ ~ लीवमानं ॥ पुष्पमाम
दक्षिः यमाभनः प्रसं कमयेत कुमे
मयस्थं कर्तुं स्त्रमं स अभिषु ~ ते
मस्तं नमस्कृतं भूमीसमसदविष्णु॰
इति सर्वस्याप्रतिष्ठापद्धतिः ~ अथ
स॰ ध्वज ते कुपोदिसु: विश्ववकु: ८
फ॰ नवग्रहीतिप्रायः ॥ वनस्पतिभिः
१७

[illegible] प्र॰ भुवनेश्वर्यां

मध्ये लक्ष्मी नारायणं

पू॰ भुवनमातायां [illegible] त्रिपुरमातायां

[illegible] [illegible]

पं॰ त्रिपुरभवान्यां [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ततः सर्वायां लक्ष्मीयुतं
हरिं संपूज्य । [illegible] कारयेत् [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible] नमः ३ [illegible] ३
[illegible] वि॰ [illegible]
[illegible]
[illegible] लक्ष्मीयुत [illegible]
[illegible] विष्णुः [illegible]
[illegible]
[illegible] पितुः [illegible]
[illegible]

भुवनत्रयमुद्गतानन्दमनन्तसुखं लक्ष्मीपतिं सकलकीर्ति
दं भुजगमभो वन्दनं दयितहृदयरूढं भुजगसं मन्दकिरणं
पङ्कजं पादपद्मयुगं ॥ भुवनत्रयसिकमलं कम
लं मधुरं रक्तपद्मदललनयनं कनिष्ठ ८ मधुमा
नं वरदे सुरवृन्दै सुविस्तृतं दीनबन्धो वन्दे

पादपद्मे
युगा

लक्ष्मीपतेरनन्तस्य प्र॰ संबन्धिन प्र॰
मधुर प्र॰ मदनमदं॰ ~ भगवतः ल
क्ष्मीपतेरनन्तस्य सम्बन्धिनः
पुष्पमधनं मः पद्मीकृतस्य :
मधुरस्य : पुष्पमधनं मः भगवत
लक्ष्मीपतेरनन्तस्य नारायणस्य संबन्ध
धिने इत्यर्थः । पद्मीकृतस्य मधुर
ये इत्यर्थः । भगवतं लक्ष्मीपतिं ना
रायणं संबन्धिनं पद्मीकृतं
मधुरं मान्दं नयिष्यामि ~ वदन्ति
कीर्ति ॥ १ तं किंभूतमाह लनी

स॰ र नीलश्रुतिः पीताम्बरः कमल

स॰ पत्रविमललोचनः कौस्तुभकी कम

१३ लकण्ठगतलक्ष्मीलक्ष्मीपतिः
पक्षिपतिरूढो विष्णुः ॥ उपवाक्यं १

न्यासः भगवते लक्ष्मीयुताय नारायणा
य सिद्धसाधिने पादुंनमः पृथ्वीरूप
य सत्याय पादुंनमः पुष्पः श्रीं भग
वते लक्ष्मीयुतनारायणाय सिद्धसाधि
ने ॐ वैकुंठनमः पृथ्वीरूप सत्य
ॐ वैकुंठनमः भगवते लक्ष्मीयुताय
नारायणाय मम अलंकारं पृथ्वीरू
पाय सत्याय मम अलंकारं ऐरावत
नमः पुष्पं ~ ततः पुष्पम्
श्री लक्ष्मीयुक्ताय नारायणाय पुष्पं
पुष्पं ~ ॐ पंचनारायणाय नमः
दक्षिणे भृंगीकंठाय पश्चिमे
गोविंदाय उत्तरे मधुसूदनाय ॐ
सर्व विष्णवे ततः भवं पवि
सू ॥ ॐ नारायणाय नमः नारायणाय

नेत्रभाय हृभाय पत्रत्रयाये नमि
निये मेनकानिहे रेभहृहे मचाहि
हे मवेहे वभहे मत्राहे भार्गहे
षधुरहे गरुचेहे पन्नगहे पधा
गहे नवगृहेहे मलेकपलेहे
भवङ्गाय उत्ताय शुद्धाय मलिनाय
युक्ताय धन्हे पद्माय श्रपद्माय
वि इत्रिभ्यः पवमंभत्ते ॥ भगवत
वभुरूवाय ५ मेधायिननग
यज्ञायनमः शुद्धेनमः पुष्पं
उत्तः कह्भुरू ॥ कङ्निसत्वाभु
भयेत्रा ॥ कङ्मतमलाकुंउ मु
म० हु वत्रपवनालभा मचपल
मु विनिद्रु कृः भूनलेके मनीयत्र ॥
१५ उवाम ॥ रुभमत भषकयां ५
वरुत्तुमयं भिहल कङ्मनभयं

[illegible] : [illegible] : [illegible] : [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] लोकाय नमः [illegible] : लो · [illegible] ·
[illegible] : लो · [illegible] · [illegible] : लो · मह
लो · [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] पृथ्वीपतये [illegible] [illegible]
[illegible] वितलाय सुतलाय र
सातलाय तलातलाय महातल
य पातालाय [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] विवस्वते [illegible] [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

(ॐ [illegible]) सुभगाय सखाय
रोगाय वायवे वासुकये [illegible] बल-
[illegible]य भीमाय [illegible]य [illegible]तये [illegible]तये
[illegible] भविष्ट् [illegible] विश्वभूत [illegible]
त्रिपुराय तक्षकाय [illegible]य [illegible]य तक्षकाय
[illegible]य [illegible] [illegible]णाय [illegible]
य, [illegible]य [illegible] [illegible]:
शङ्खेनमः पद्मेनमः पुष्पेनमः दीपेन
मः [illegible]: [illegible]: [illegible]
[illegible]: [illegible]। [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]: [illegible]। [illegible]
[illegible]
[illegible]। [illegible] नमः [illegible]
[illegible]: [illegible]: ३ [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] भगवान् [illegible] वत्सलः
[illegible]
[illegible] ॥४॥ [illegible] लक्ष्मीच
[illegible] ॥५॥ [illegible]
[illegible] लक्ष्मीनिवास [illegible]
[illegible]
[illegible] भगवान् [illegible]
[illegible]
[illegible] ।६। [illegible]
[illegible] श्रीविष्णु
[illegible] ।७। [illegible]
[illegible]
[illegible] ।८। [illegible]
[illegible]
[illegible] ।९।
लक्ष्मी [illegible]
[illegible] ।१०।

[illegible] यिकमा स. यु. १७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਤ੍ਰੈਨਾਥ ਭਗਵਾਨ੍ ਪ੍ਰਯਚ੍ਛਤੁ ਸੁਖੰ, ੨ ਮੇਦਕ੍ਰਕ
ਰਤ੍ਯੇਗ ਵਿਯੋਗ ਨਾਸਿਕੰ ਸਾਧ੍ਯ ਪਾਸ ਵਿਧਮ
ਦ੍ਯਾਨੁ:ਧਾਰਣ ਮਿਨਾ ਸ਼ੁਦ੍ਧਿ ਕ੍ਰਤੁ ਵਿਵਰ੍ਜਿਤ
ਪਾਦ ਪਦ੍ਮ ਪਾਪਾਪਹਾ ਭਗਵਾਨ੍ ਪ੍ਰਯਚ੍ਛਤੁ ਸੁਖੰ, ੩
ਨੇਗਾਨ੍ਤ ਰੋਗ ਸਯਨਾ ਸਨੇਸ਼ਵ ਸ੍ਵ ਲਕ੍ਸ਼੍ਮੀਨਿਵਾ
ਸਯਾਸ਼ੈਸ਼ਵ ਵਾਸ੍ਵਿਵਕ੍ਤ੍ਰ ਸਾਨਾਵਿਸ਼ਿਰ੍ਮਲਿ
ਸ੍ਤ੍ਰ ਵਿਕ੍ਰੀਧਿਤ ਕ੍ਯ ਸ੍ਤੁ:ਸਪ੍ਰਨਾਸ ਭਗਵਾਨ੍ ਪ੍ਰਯ
ਚ੍ਛਤੁ ਸੁਖੰ। ੮ ਸ੍ਰੀ ਸ਼ਿਵਾਸਗਾਦ੍ਰ ਸ਼੍ਰੁਲਵਿ
ਸ਼੍ਵ ਧੂਤ ਦ੍ਰਿਸ਼ਿਪਿਯੇਨਾ ਵਿਣਾਯਕ ਸੁਭੁਕ੍
ਯ ਨਾਨਾ ਭੂਸ਼ਾ ਸ੍ਰੀਤਿ ਧੂਸੈਕ ਤੋ ਕ
ਲੁਲ ਮਾ ਭਗਵਾਨ੍ ਪ੍ਰਯਚ੍ਛਤੁ ਸੁਖੰ। ੫ ਸਰ੍ਵ
ਸ੍ਵ ਗਲਕਰੁਯਾਸ ਨਿਤ ਰੂਪ ਰਤ੍ਨ ਕਿਵਾਨ੍ਤ
ਤਦਲੁਧੂਰਕੇਦਕੇ ਸ੍ਵਕ, ਸਾਸ੍ਤੁਤਿ ਸ
ਗਿਤ੍ ਪਵਿਤ੍ਰ ਕੀਤੁ ਸਕ ਸ਼ਿਵ ਭਗਵਾਨ੍
ਪ੍ਰਯਚ੍ਛਤੁ ਸੁਖੰ। ੬ ਤ੍ਰੈਲੋਕ੍ਯਨਾਥ ਕਮਲਾਸ
ਨ ਸਾਧ ਸਾਧ੍ਯ ਯੋਗੀਸ਼੍ਵਰ ਤ੍ਰਿਭੁਵਨਾਧਿਪਸ
ਸਨੇਤ

ज्ञ्यावगान्तं विष्णुं तं [illegible] सान्तं [illegible]
गन्तु भगवान्त्यक्ष्यस्य ॥२॥ भीतः भयस्य
[illegible] श्रुति गुरु तिस्य [illegible] तिस्य [illegible]
[illegible] [illegible] सिद्धं भगवान् [illegible]
[illegible] सव तिस्य भगवान्त्यक्ष्यस्य
स्य ॥३॥ [illegible] सम्पूर्णं [illegible]
[illegible] ॥ गायत्र्यै नमः ओं भूर्भुवः स्वः ॐ
[illegible] यवि· सप्त [illegible] यवि· सत्
[illegible] यणी· ॐ नमः सप्त [illegible] ॐ सप्त·१
भगवतः लक्ष्मीयुत [illegible] यलम्
[illegible] यिनः [illegible] ३ [illegible]
[illegible] यन्त्र सत्य [illegible]
स· सम्पादनम् सम्पादनायः [illegible]
यो [illegible] सम्पूर्ण [illegible] यज्ञसंकल्पः
३१ [illegible] स्वयम्भुवः [illegible]

वेदागमाद्यैति पठेत् ॥ प्रथं लिखितमा
मं स्मृजं भूर्यन्त्रे वे ऽतिवर्मयति ॥
प्रथं मृणाल्व यमृ स्कु प्रसार्यी [illegible]
न: पद्म [illegible] पितृघ मूत्रु: पूतं मूनं पू
यन्त्रे ॥ परलोके जितक्रय मिकू
[illegible] समाय यवे प्रविमूक [illegible] मयार्कृतं
सत्क्रय मपतिसूत ॥ ततः पूतिगौर्तु
पठेत ॥ पूतिगव्लौ मिहुं सत्रु [illegible]
मुक्ति विसर्पतः मवगुल मर्यीभवी
लक्ष्मी [illegible] पन्नमेसुत ० पूतिगहु
मिमयद्धुं मचैस्वगालि चडस्मा
भृष्ठः मायमं जिह्वे सन्तुसुपष्टाक
कूप मचाष्ट, कमसंकोमि जडंतस्म
न्नमनमः ॥ ७ ॥ कुक्रन ॥ नैमिरूष्ल॰
उत्कलसं ॥ मन्त्रक: ॥ धूलंस्त्रा ॥
वैसुस्वर्णाभिकं तज्ज्ञ नकलसं पत्सुं ॥
उत्कलसं ॥ उडियाण नमः ॥

53

𑆠𑆴 𑆪𑆶𑆣𑆴𑆰𑇀𑆜𑆴𑆫 𑆇𑆮𑆳𑆖 𑇆 𑆨𑆓𑆮𑆳𑆤𑆶𑆮𑆳𑆖
𑆮 𑆬𑆾𑆑𑆳𑆤𑆶𑆓𑇀𑆫𑆲𑆑𑆳𑆫𑆑 𑆥𑇀𑆫𑆮𑆑𑇀𑆰𑇀𑆪𑆳𑆩𑇀𑆪
𑆲𑆁 𑆥𑆳𑆥𑆁 𑆑𑆼𑆤𑆠𑆢𑇀𑆨𑆶𑆮𑆴𑆤𑆯𑇀𑆪𑆠𑆴 𑇆 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆑𑆸𑆰𑇀𑆟
𑆇𑆮𑆳𑆖 𑇆 𑆮𑆴𑆣𑆴𑆤𑆳𑆱𑆩𑇀𑆪𑆓𑇀𑆨𑆳𑆮𑆬𑇀𑆬𑆾𑆑𑆼
𑆥𑇀𑆫𑆥𑆳𑆑𑆁 𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴𑆱𑆠𑆳𑆩𑇅 𑆑𑆼𑆯𑆮𑆱𑇀𑆪𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆱𑆮 𑆨𑆑𑇀𑆠𑆳𑆤𑆳𑆁𑆢𑆶𑆬𑇀𑆬𑆳𑆥𑆡𑆠𑆩𑆳𑇅 𑆥𑆫
𑆮𑆩𑇀𑆨𑆟𑇀𑆝𑆴𑆩𑇀𑆩𑆪𑆶𑆑𑇀𑆠𑆁 𑆤𑆳𑆤𑆳𑆢𑇀𑆫𑆶𑆩𑆩𑆟𑇀𑆝𑆴𑆠𑆁
𑆩𑆮𑆾𑆢𑇀𑆫𑆥𑆴𑆠𑆁𑆠𑆁 𑆱𑆶𑆥𑇀𑆫𑆮𑆬𑇀𑆬𑆩𑆪𑆳
𑆥𑆢𑆩𑆳𑇅 𑆇𑆠𑇀𑆠𑆩𑆂 𑆩𑆟𑇀𑆝𑆥𑆂 𑆥𑇀𑆫𑆯
𑆤𑆵𑆪𑆾 𑆪𑆱𑇀𑆪 𑆮𑆴𑆣𑆴𑆂 𑆓𑆤𑇀𑆣𑆥𑆶𑆰𑇀𑆥𑆽𑆱𑇀𑆠𑆡
𑆣𑆷𑆬 𑆥𑆶𑆤𑆳𑆢𑇀𑆫𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆠𑆩𑆳𑇅 𑆩𑆟𑇀𑆝𑆥𑆁
𑆩𑆢𑇀𑆪𑆼 𑆥𑆶𑆤𑇀𑆪𑆪𑆤𑇀𑆤𑆴𑆮𑆼𑆯𑆪𑆼𑆠𑇀 𑇆

गमक्षनयक्तं भयेल्लभमाविडभा ।
विभड़ेभुभूरुभूभिभ सललपांइ
सलनक्षन ड्रुक्रु निवाग्रु ड्रयुभि
ड्रुंग्रुमफिडयवें पग्लेकमङ्गभि
पाङ्गीरभभविडभा । सषनि
डक्रुभड: । ॥ कलमंसुकां
सिंह सलेलनपरिप्रगिडभा सन
नभुभसलमागत्ति नजिडहीखिभमड्डे
वे । सलंरुभ घंनिहं लीव
नंभूलल गक्रकभा सललसनंतु
डभन्तेवाद्विडन्तभूरु यिकभा
सञ्ज्रुभ भयंभाक्षलेक नंभूलल

गक्कमा। चवनमनेवेकमत्तुक्क
मन्यहूमम्नूयमत। चवकूः वृहू
डुंयणिडे लवानिनरमाणूये निहल
वलमनेन ममम त्तुमनेगघः १
मोल्गनिघ्ककूनंम। डिठिःकदं
धूयडूडः ममवकमन्मकूडेनि
घ्कूनं उडक्कूम १ घूघ्ध्यम्यमूमि
उड १ डुियडिघूं १ चवधउग्र
नेप्टेनेमदिं १ मुकेउमनीमा
ह: [illegible] १ निघ्कूवागा णग्विउ मरू
५: वग्नडिडुनिव डुमग्रयडहूखि
[illegible] उडमम्मडंनाी १ मणिवडलि १

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑆫𑆷𑆥
𑆠𑆂 [illegible] 𑆑𑆸𑆠𑇀𑆮𑆳 [illegible]
𑆥𑇀𑆫𑆳𑆥𑇀𑆤𑆾𑆠𑆴 𑆱𑆠𑆠𑆯𑆴𑆮 𑇆𑇕𑇆

𑆅𑆠𑆴 𑆯𑆶𑆨𑆩𑇀 𑇆

[illegible]

𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼 𑆨𑆮𑆤𑇀𑆠𑆶 𑆱𑆶𑆒𑆴𑆤𑆂
𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼 𑆱𑆤𑇀𑆠𑆶 𑆤𑆴𑆫𑆳𑆩𑆪𑆳𑆂
𑆱𑆫𑇀𑆮𑆼 𑆨𑆢𑇀𑆫𑆳𑆟𑆴 𑆥𑆯𑇀𑆪𑆤𑇀𑆠𑆶
𑆩𑆳 𑆑𑆯𑇀𑆖𑆴𑆠𑇀 𑆢𑆶𑆂𑆒 𑆨𑆳𑆓𑇀𑆨𑆮𑆼𑆠𑇀 𑇅

